डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय फैजाबाद से सम्बद्ध

महिला महाविद्यालय

बेला परसा - अम्बेडकर नगर

SHIATS

विश्वविद्यालय इलाहाबाद से सम्बद्ध

स्नातक एवं परास्नातक विषय बालक/बालिकाओं हेतु

Rs.100

Mob { 9651392051, 9695465315
9455592130, 9450594425

निर्देशिका

संरक्षक–डॉ0 विजय शंकर मौर्य
न्यूरो सर्जन मेडिकल कालेज गोरखपुर

प्रबन्धक–सन्तराम मौर्य
महिला महाविद्यालय बेला परसा

संरक्षक–डॉ0 आर0 एस0 मौर्य
मौर्या अस्पताल बसखारी अ.न.

अपील

अभिभावक, शिक्षकगण, कर्मचारीगण व छात्राएं–

शिक्षा प्रगति व विकास का स्रोत है। हर छात्र/छात्राओं में प्राकृतिक प्रतिभाएं निहित होती है। गुरू उनकी प्रतिभाओं का गवेषणात्मक विश्लेषण करता है। और उनके अन्दर छुपे हुए (Talents) प्रतिभा को विकसित करने में सहयोग प्रदान करता है। जिसमें जिसमें शिक्षक से अधिक शिक्षार्थी को अधिक क्रियाशील होना चाहिए, यही शिक्षा का उद्‌देश्य है। शिक्षा व्यक्ति को तार्किक बनाता है जिससे वह भविष्य में जीवन समस्याओं को तर्क और वैज्ञानिक सोच से हल करके सत्य पथ का अनुगमन करता है। हम अपने महाविद्यालय में छात्राओं को तर्क और वैज्ञानिक अभिरूचि छात्राओं से अपेक्षा करते है कि अपना प्रकाश स्वयं बनकर महाविद्यालय के शैक्षिक वातावरण को उच्च शिखर पर पहुंचावें। अत्त दीपो भव

महाविद्यालय का वातारण शुद्ध ग्रामीण परिवेश में है। आपकी बेटियों को पूर्णत: सुरक्षित रख कर सुचारू शिक्षा देना हमारा उद्‌देश्य है।

प्रबन्धक/संरक्षक

महाविद्यालय का संक्षिप्त इतिहास

35 वर्षो तक प्रधानाचार्य पद पर जनता इण्टर कालेज बेला परसा की सेवाकर 30 जून 2002 को सेवानिवृत्त होने के बाद विद्यालय परिवार ने मेरी जन्म तिथि (25 जनवरी) को संस्थापक दिवस के रूप में मनाने का संकल्प लिया 25 जनवरी 2003 के प्रथम संस्थापक दिवस समारोह पर विद्यालय परिवार तथा अन्य संभ्रान्त व्यक्तियों ने बालिकाओं की उच्च शिक्षा के लिए महाविद्यालय की स्थापना की मांग की। मैने इसे सहर्ष स्वीकार किया और प्रयास आरम्भ कर दिया। प्रथमत: मैने इसकी चर्चा डॉ0 आर0एस0 मौर्य, मौर्या अस्पताल बसखारी और डॉ0 विजय शंकर मौर्य न्यूरोसर्जन मेडिकल कालेज गोरखपुर से की, जिन्होने इस मुहिम में भरपूर सहयोग देने का वचन दिया। क्षेत्र के सम्भ्रान्त व्यक्तियों ने किसी न किसी रूप में सहयोग दिया। फलत: तत्कालीन क्षेत्रीय विधायक मा0 लालजी वर्मा के सहयोग से नेता प्रतिपक्ष मा0 स्वामी प्रसाद मौर्य ने दिनांक 25/1/2005 को समारोह के साथ महिला महाविद्यालय का शिलान्यास किया। साथ में डॉ0 विजय शंकर मौर्य ने एक कक्ष का शिलान्यास किया। वर्ष 2007 तक छ: कक्षों का निर्माण पूरा होने पर डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय से सम्बद्धता का आवेदन किया गया। और वर्ष 2008 में सम्बद्धता प्राप्त हो गयी। वर्ष 2010 में P.G.D.C.A की मान्यता प्राप्त हुई। वर्ष 2011 में स्थाई सम्बद्धता प्राप्त हुई। एम0ए0 हिन्दी, गृहविज्ञान, समाजशास्त्र विषयों की मान्यता के लिए प्रयासरत है। यह महाविद्यालय एन0टी0टी0 प्रशिक्षण का अध्ययन केन्द्र है।

महाविद्यालय की स्थिति

यह महाविद्यालय अकबरपुर बसखारी राजमार्ग पर स्थित मसड़ा बाजार से उत्तर 2 किमी0 पर पक्की सड़क पर बेला परसा गॉव में जनता इण्टर कालेज के बगल स्थित है।

महाविद्यालय द्वारा प्राध्यापित विषय

क–स्नातक विषय–1–हिन्दी 2–अंग्रेजी, 3–संस्कृत, 4–उर्दू, 5–गृहविज्ञान 6–प्राचीन इतिहास 7–समाजशास्त्र

ख–एम0ए0–प्रस्तावित विषय–गृहविज्ञान, हिन्दी, समाजशास्त्र

नोटः–हिन्दी, अंग्रेजी,संस्कृत, उर्दू, में से केवल दो विषय चयन किया जा सकता है। बी0ए0 भाग एक के विषयों को ही भाग 2 में लेना होगा।

SHIATS विश्वविद्यालय इलाहाबाद से सम्बद्ध

स्नातक एवं परास्नातक विषय बालक/बालिकाओं हेतु

विषयः-हिन्दी, अंग्रेजी, समाजशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, शिक्षाशास्त्र, इतिहास, अर्थशास्त्र वाणिज्य, गणित, दर्शनशास्त्र, एवं BBA, MBA, BCA, MCA,

BLISc लाइब्रेरी साइन्स | **MSW** मास्टर ऑफ सोसल वर्क | **PGDCA** परास्नातक कम्प्यूटर

प्रवेश प्रक्रिया

बी0ए0भाग एक, दो, तीन में प्रवेश के लिए निर्धारित आवेदन पत्र पर आवेदन करना होगा, जो महाविद्यालय से 50 रूपये शुल्क देकर प्राप्त किया जा सकता है। आवेदन पत्र के साथ पूर्व परीक्षाओं के अंक पत्र की प्रमाणित प्रतिलिपि, टी0सी0, 10 पास पोर्ट साइज फोटो तथा अन्तिम संस्था के प्राचार्य से प्राप्त चरित्र प्रमाण पत्र संलग्न करना अनिवार्य होगा। प्रवेश एक जुलाई से आरम्भ होकर 30 जुलाई को समाप्त होगा। तत्पश्चात प्रवेश के लिए विलम्ब शुल्क देय होगा।

शुल्क

विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शुल्क लिया जायेगा। बी0ए0 प्रथम वर्ष के साथ नामांकन शुल्क तथा बी0ए0 तृतीय वर्ष के साथ उपाधि शुल्क भी लिया जायेगा। प्रवेश के साथ लिया गया शुल्क किसी भी दशा में वापस नहीं होगा। विशेष परिस्थिति में शुल्क दो किश्तों में भी (प्रथम किस्त प्रवेश के समय और द्वितीय किश्त जनवरी माह में) ली जा सकती है।

उपस्थिति

विश्वविद्यालय के नियमानुसार परीक्षा में प्रवेश का अधिकार पाने के लिए प्रत्येक विषय में 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है। विशेष परिस्थितियों प्राचार्य उपस्थिति से छूट दे सकेंगे। 180 दिन कक्षा में उपस्थिति अनिवार्य है।

अनुशासन

महाविद्यालय की छात्राओं के लिए निम्न अनुशासन का पालन करना अनिवार्य है।

1–अपना परिचय पत्र सदैव अपने पास रखें। परिचय पत्र विना महाविद्यालय परिसरमें प्रवेश वर्जित है।

2– छात्राएं अपने साथ मोवाइल लेकर न आवें अपने घर पर विद्यालय का फोन नं0 दे दे, विशेष परिस्थिति में अभिभावक, प्राचार्य के माध्यम से सम्बन्धित छात्रा से सम्पर्क कर सकते है।

3–महाविद्यालय में स्टाफ के अतिरिक्त किसी पुरूष का प्रवेश वर्जित है विशेष परिस्थिति में अभिभावक प्राचार्य के कक्ष में जाकर विशेष जानकारी ले सकते है।

4–प्रवेश फार्म पर जिस अभिभावक का हस्ताक्षर है केवल वही व्यक्ति प्राचार्य के माध्यम से सम्बन्धित छात्रा से मिल सकते है।

5–महाविद्यालय आपकी सम्पत्ति है और उसे स्वच्छ और सुन्दर बनाना छात्राओं का नैतिक कर्तव्य है।

6–कक्षाओं के संचालन में किसी भी प्रकार का अवरोध न करें, न तो बरामदे में खड़ें हों।

नोटः–यदि कोई छात्रा दुर्व्यहार या अनुशासन हीनता का दोषी पायी जायेगी तो उसे अर्थ दण्ड अथवा महाविद्यालय से निष्कासित कर दिया जायेगा।

छात्रवृत्ति

अनुसूचित जाति जनजाति, पिछडे वर्ग, अल्पसंख्यक वर्ग, सामान्य वर्ग तथा विकलांग छात्राओं को शासन द्वारा नियमानुसार छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती है। छात्रवृत्ति का आवेदन पत्र महाविद्यालय कार्यालय से प्राप्त कर प्रवेश के 15 दिन के अन्दर आय और जाति प्रमाण पत्र के साथ कार्यालय में जमा करना अनिवार्य है।

परीक्षा

परीक्षा के लिए आवेदन पत्र पूर्ण करके कार्यालय में स्वयं समय से आकर जमा करने का दायित्व छात्रा का ही होगा। परीक्षा आवेदन पत्र व परिचय पत्र अधिकृत प्राध्यापक से जांच कराकर ही जमा किया जाय निर्धारित तिथि के बाद परीक्षा आवेदन पत्र जमा करने पर नियमानुसार विलम्ब शुल्क देय होगा। परीक्षा आवदेन पत्र व परिचय पत्र पर चयनित विषय लिखना अनिवार्य है। सूच्य है कि प्रवेश आवेदन फार्म तथा परीक्षा आवेदन फार्म किसी दूसरे के द्वारा भेजने जमा करने पर महाविद्यालय द्वारा स्वीकार नहीहोगा।

बी0ए0 की सभी छात्राओं को दिसम्बर माह में होने वाली अर्द्धवार्षिक परीक्षा में सम्मिलित होना अनिवार्य है।

पुस्तकालय

छात्राओं के अध्ययन की सुविधा हेतु महाविद्यालय में पुस्तकालय एवं वाचनालय की व्यवस्था है।

1–पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तके, शब्द कोष, पत्र–पत्रिकाएं, निर्गत नहीं की जायेगी, अपितु इन्हे वाचनालय में पढ़ा जायेगा।

2–छात्राओं को पुस्तक निर्गत करने हेतु पुस्तकालय कार्ड अवश्य प्रस्तुत करना होगा पुस्तकालय कार्ड अहस्थनतणीय है।

3–निर्गत पुस्तकों को सुरक्षित रखना छात्रा का नैतिक दायित्व है। पुस्तक फटने या खो जाने पर पुस्तक का नवीनतम मूल्य तथा निर्धारित अर्थ दण्ड जमा करना होगा।

परिचय पत्र

प्रवेश के समय छात्राओं को कार्यालय से परिचय पत्र प्राप्त करना होगा। परिचय पत्र की प्रवृष्टि पूर्ण करके निर्धारित स्थान पर फोटो चिपका कर प्राचार्या/चीफ प्राक्टर से हस्ताक्षर करा लें। परिचय पत्र को सदा अपने पास रखना अनिवार्य है। महाविद्यालय के अधिकारियों द्वारा मांगे जाने पर परिचय पत्र दिखाना अनिवार्य है। परिचय पत्र खो जाने पर निर्धारित शुल्क जमा करने पर ही दूसार परिचय पत्र मिल सकेगा।

राष्ट्रीय सेवा योजना (एन0 एस0एस0)

महाविद्यालय में वर्ष 2012 के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वीकृत मिल गयी है जिसमें बी0ए0 भाग एक की वे छात्राएं सम्मिलित हों सकती हैं। जिनमें ग्रामीण सेवा भाव की रूचि तथा कार्य के प्रति तत्परता हो।

चीफ प्राक्टर
श्रीमती सुमन लता मौर्या
9455592130

कार्यालय अधीक्षक
हेमचन्द्र राजभर
9453986479

प्रबन्धक
संतराम मौर्य
9695465315